व्यासश्रीः
VYĀSASRĪḤ

Impact Factor 5.321
(A UGC Care listed Refereed Research Journal)
Jan-Jun 2022
Date of Publication : 01.06.2022

This Issue is dedicated to
Padma Bhushan Vashistha Tripathi

: Chief Editor :
Dr. Buddheswar Sarangi

: Associate Editors :
Prof. Prasanta Kumar Mahala
Dr. Saroj Kumar Padhi
Dr. Jagamohan Acharya
Dr. Bharatbhushan Rath
Dr. Priyabrata Mishra
Dr. Gyanaranjan Panda
Dr. Pradeep Kumar Bag
Dr. Babulal Meena

Publisher
Padmashree Ramaranjan Mukherjee Chair of
Maharshi Vyasadev National Research Institute
A Unit of Vyasayanam, Regd. No. 1635-IV-477/04
Vedavyas, Rourkela-4, Odisha
Contact No. : 7003415810, 7044016153
email : vyasasri12@gmail.com
Website : www.vyasasri.com

Board of Advisors :
Prof. Abhiraj Rejendra Mishra
Prof. Radhaballava Tripathy
Prof. Harekrishna Satapathy
Prof. Srinivas Varkedy
Prof. Prafulla Kumar Mishra
Prof. Somesh Kumar Mishra
Prof. Harihar Hota
Prof. Chandrakant Shukla
Prof. Arun Ranjan Mishra
Prof. Sukanta Kumar Senapati
Dr. Acharya Devabrata

Hon'ble Referees :
Prof. Kishor Chandra Padhi,
Ex-Professor, S. J. S. V. Puri
Prof. Tapan Shankar Bhattacharya,
Professor in Sanskrit, Jadavpur University, Kolkata
Prof. Satyanarayana Acharya,
Professor in Sahitya, National Sanskrit University, Tirupati
Prof. Dharmananda Rout
Professor in Sahitya, LBS National Sanskrit University, New Delhi

Co-Ordinators :
Prof. Sarita Sharma (Academic)
Dr. Umakanta Panda (Finance)
Sri Chandradhwoja Majhi (Finance)
Smt. Laxmipriya Pahadi (Publicity)
Dr. Koushik Malakar (Printing)
Dr. Asha Singh Rawat (Printing)
Dr. Biswanath Mahata (Printing)

समर्पणम्

पद्मभूषणोपाधिभाज्ञां बशिष्टत्रिपाठिनां कृते

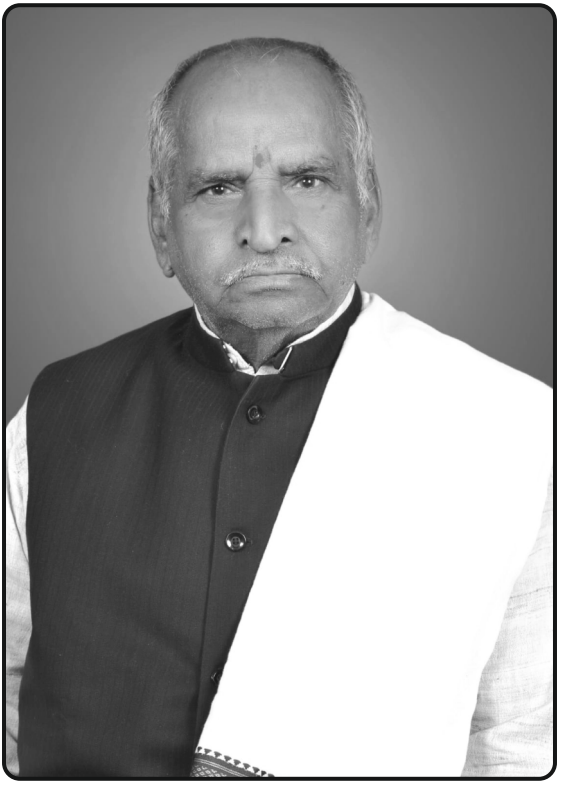

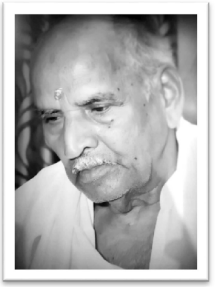

जीवन-वृत्त

- **नाम** : **प्रो. वशिष्ठ त्रिपाठी** (राष्ट्रपति सम्मानित)
  कार्यकारी अध्यक्ष- कशी विद्वत्परिषद्, वाराणसी
- **पिता** : स्वर्गीय पं. श्री रामजी त्रिपाठी
- **स्थाई पता** : ग्राम- रामपुर शुक्ल, पोस्ट- पथरदेवा,
  जिला- देवरिया (उ.प्र.)
- **वर्त्तमान निवास** : श्री रघुनाथ आश्रम, बी. 30/252, नगवां, वाराणसी
  पिन- 221005
- **जन्मतिथि** : 15/10/1940
- **शैक्षिक योयाताएँ** :

(1) **नव्यन्यायाचार्य** (लब्धस्वर्णपदक) सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी
(2) **न्यायावैशेषिकशास्त्राचार्य,** काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी

- **अध्यापनानुभव** : लगभग 62 वर्ष तक

क्र.सं.	पद	वर्ष से	वर्ष तक	विषय	संस्था नाम
1.	न्याय प्राध्यापक सह-प्राचार्य	01.07.1961	19.07.1966	न्याय	आदर्श श्री सांगब्रह्मविद्यासंस्कृत महाविद्यालय, महादेव, वाराणसी
2.	न्याय प्रवक्ता	20.07.1966	31.05.1970	न्याय	प्राच्यविद्याधर्मविज्ञानसंकाय, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी
3.	न्याय प्राध्यापक	01.07.1970	12.09.1970	न्याय	रामानुज दर्शन संस्कृत महाविद्यालय, त्रिपुरा भैरवी, वाराणसी
4.	दर्शनविभागाध्यक्ष	13.09.1970	02.02.1979	न्याय	गोयनका संस्कृत महाविद्यालय, ललिताघाट, वाराणसी
5.	न्याय प्रवक्ता यू.जी.सी. वेतनमान	03.02.1970	05.11.1979	न्याय	आदर्श श्री रंगलक्ष्मी संस्कृत महाविद्यालय, वृन्दावन, मथुरा
6.	न्याय प्रवक्ता	06.11.1979	10.09.1989	न्याय	सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी
7.	प्रोफेसर न्यायवैशेषिक	11.09.1989	30.06.2001	न्याय	सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी

- **अन्तर्राष्ट्रीय /राष्ट्रीय सम्मान**

(1) **राष्ट्रपति सम्मान,** भारत सरकार, 2004।
(2) **अन्तर्राष्ट्रीय हिमाद्रि पुरस्कार,** उत्तरांचल संस्कृत अकादमी, 2003।
(3) **विशिष्टविद्वत्पुरस्कार,** उत्तरप्रदे शसंस्कृत संस्थान, लखनऊ, 2005।
(4) **वाल्मीकि पुरस्कार,** उत्तरप्रदेश संस्कृत संस्थान, लखनऊ, 2006।
(5) **स्व. श्रीमतीचन्द्रावतीजोशी संस्कृतभाषा पुरस्कार**, श्री ज्ञानकल्याणदातव्यन्यास, नई दिल्ली, 2006।
(6) **विद्वद्भूषण सम्मान,** अखिलभारतीय विद्वत्परिषद्, वाराणसी, 2006।
(7) **प्रशस्तिपत्रम्,** श्रीजगद्गुरुशंकराचार्यमहासंस्थानम्, दक्षिणाम्नाय श्रीशारदापीठम् शृंगेरी, 2007।
(8) **अन्नपूर्णा श्रीपुरस्कार,** उत्तरप्रदेश नागकूप शास्त्रार्थ समिति, वाराणसी, 2009।
(9) **स्वामि हरिहरानन्द सरस्वती**करपात्र -स्मृतिपुरस्कार, सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी, 2010।
(10) **विश्वभारती पुरस्कार**, उत्तरप्रदेशसंस्कृतसंस्थानम्, 2010।
(11) **महामहोपाध्याय सम्मानितोपाधि,** लालबहादुरशास्त्रीसंस्कृतविद्यापीठ, नवदेहली, 2015।
(12) **न्यायशिरोमणिसम्मानं,** वेदपारायणकेन्द्रम्, काशी, 2015
(13) **विशिष्टविद्वत्सम्मान,** पीठाधीश्वर परमपूज्य अघोराचार्य महाराज श्री बाबा कीनारामजी, 2016।
(14) **विद्वत्सम्मान,** श्रीधर्मसंघशिक्षामण्डल, दुर्गाकुण्ड, वाराणसी, 2017।
(15) **वाचस्पतिः (डी.लिट्.)** श्रीसोमनाथसंस्कृत विशवविद्यालय, गुजरात, 2017।
(16) **शुभाभिनन्दनपत्रम्,** हरियाणासंस्कृत विद्यापीठ, बघौला, पलवल, हरियाणा, 2018।
(17) **काशीविद्वत्गौरवम्**, बी. ए. पी. एस. स्वामीनारायणशोधसंस्थानम्, अक्षरधाम, नवदेहली 2019।
(18) **अभिवादनम्,** राजकोट विश्वविद्यालय, गुजरात, 2019।
(19) **विशिष्टसम्मान,** श्रीकाशी धर्मपीठ, रामेश्वरमठ, वाराणसी।
(20) **श्रीजगद्गुरु विश्वाराध्य विश्वभारती सम्मान,** श्रीमद्जगद्गुरु विश्वाराध्य ज्ञान सिंघासन-महापीठं, वाराणसी।
(21) **करपात्र रत्न सम्मान,** धर्मसंघ शिक्षण मंडल द्वारा, वाराणसी।

- **प्रशासनिकानुभव**

1. **प्राचार्य,** आदर्श श्री सांगब्रह्मविद्या संस्कृत महाविद्यालय, वाराणसी।
2. **विभागाध्यक्ष,** न्यायवैशेषिक विभाग, सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी।
3. **संकायाध्यक्ष,** दर्शन विभाग, सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी।
4. **विनयाधिकारी** (चीफ़ प्राक्टर), सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी।
5. **प्रतिकुलपति-** सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी।
6. **कुलपति** (कार्यवाहक), सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी।
7. **अध्यक्ष,** हरियाणा संस्कृत विद्यापीठ, हरियाणा।

- **चयनसमिति में विषयविशेषज्ञ**

1. **विषयविशेषज्ञ,** महेन्द्रसंस्कृत विश्वविद्यालय, काठमाण्डू।
2. **विषयविशेषज्ञ,** श्री जगन्नाथ संस्कृत विश्वविद्यालय, श्री बिहार, पुरी, उड़ीसा।
3. **विषयविशेषज्ञ,** श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली।
4. **विषयविशेषज्ञ,** केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली।
5. **विषयविशेषज्ञ,** रामकृष्ण मिशन विवेकानन्द विश्वविद्यालय।

6. **विषयविशेषज्ञ,** हरियाणा संस्कृतविद्यापीठ, बघौला।
7. **विषयविशेषज्ञ,** केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, सदाशिव परिसर पुरी, उड़ीसा।
8. **विषयविशेषज्ञ,** पूर्णप्रज्ञविद्यापीठ, बेंगलूरू, कर्णाटक।

- **अन्तर्राष्ट्रीय/राष्ट्रीय संगोष्ठियों में व्याख्यान**
  1. "विश्व संस्कृत सम्मेलन" में **विशिष्ट विद्वान्** के रूप में विशिष्ट व्याख्यान, विज्ञानभवन, दिल्ली, 2004।
  2. **मुख्यातिथि** राष्ट्रियशोधसंगोष्ठी, हरियाणासंस्कृतविद्यापीठ, बघौला, 2018।

- **विभिन्न विश्वविद्यालयों में पुनश्चर्यापाठ्यक्रम में प्रदत्त विशिष्ट व्याख्यान (लगभग 25)**
  1. **तुलनात्मकधर्मदर्शन विभाग,** सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी।
  2. **सांख्ययोगतन्त्रागम विभाग,** सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी।
  3. **दर्शनसंकाय,** श्रीलाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली।
  4. **दर्शनविभाग,** श्री महेन्द्रसंस्कृत विश्वविद्यालय, काठमान्डू, नेपाल।
  5. **श्री आदर्श रंगलक्ष्मी सं.म.विद्यालय,** वृन्दावन, मथुरा (उ.प्र.)।
  6. **संस्कृत विद्याधर्म विज्ञान संकाय,** काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी।

- **कार्यशाला/संयोजन**
  1. **डॉ. आदित्यनाथ झा** जी के कुलपतित्व काल में प्रथम दीक्षान्त महोत्सव में न्यायशास्त्रार्थ में स्वर्णपदक प्राप्त।
  2. **संयोजक,** भारतीयदार्शनिक अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली एवं सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी द्वारा समायोजित "विधिविवेक कार्यशाला, 1997।"
  3. **संयोजक,** अखिल भारतीय तथा प्रतिवर्ष सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी द्वारा समायोजित शास्त्रार्थ।
  4. **संयोजक,** अखिल भारतीय न्यायशास्त्रस्पर्धा, 1993।

- **न्यायविद्या के संरक्षणार्थ वर्तमान सेवाएँ**
  1. **सम्मानित आचार्य,** सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी।
  2. **सम्मानित आचार्य,** श्रीगुरुकार्ष्णिविद्यावीठ, वाराणसी।
  3. **भारतीय दार्शनिक अनुसन्धान परिषद्** की विशिष्ट परियोजना के अन्तर्गत सामान्य नियुक्ति ग्रन्थ का अनुवाद कार्य।

- **देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों/शैक्षणिक संस्थानों में शास्त्रीय ग्रंथों का पंक्तिशः अध्यापन**
  1. श्रीलाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली- **न्यायसिद्धान्तमुक्तावली 'दिनकरी', माथुरी-जागदीशी-गादाधरी-पंचलक्षणी, पातंजलयोगसूत्रम् 'तत्ववैशारादी', शक्तिवाद, विचारसागर।**
  2. सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी- **व्युत्पत्तिवाद, विधिविवेक**।
  3. काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी- **न्यायशास्त्रीय ग्रन्थ**।
  4. जगन्नाथ संस्कृत विश्वविद्यालय, पुरी- **व्याप्तिवाद**।
  5. केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, त्रिपुरा परिसर- **माथुरी पंचलक्षणी**।
  6. केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, गंगानाथ झा परिसर, प्रयागराज- **न्यायसिद्धान्तमुक्तावली 'दिनकरी'**।

- **कोरोना महामारी काल में शास्त्र संरक्षण हेतु ऑनलाइन अध्यापन**

  अद्यापित ग्रन्थ-

  1.तर्कभाषा, 2.न्यायसिद्धान्तमुक्तावली, 3.न्यायकुसुमांजलि, 4.सामान्य निरुक्ति, 5.व्युत्पत्तिवाद, 6.तर्कसंग्रह- न्यायबोधिनी टीका।

- **शोधनिर्देशन**

  1. पी-एच. डी. उपाधिप्राप्त- **13**
  2. डी.लिट्. उपाधिप्राप्त- **01**

- **शिष्यपरम्परा**

(I) **महामण्डलेश्वर स्वामी पुण्यानन्द गिरी जी महाराज**, दक्षिणामूर्ति, वाराणसी।

(II) **श्री श्री १००८ स्वामी केशवाचार्य जी महाराज,** हरिद्वार।

(III) **स्वामी पूर्णवल्लभ दास जी ,** श्री स्वामीनारायण मंदिर, वड़ताल तहसील नडियाद, जिला खेड़ा गुजरात, पिन- 387375।

(IV) **महंत श्री रामानन्दाचार्य,** अयोध्या, उ.प्र.।

(V) **महामण्डलेश्वर स्वामी आशुतोषानन्द जी महाराज,** कैलाश मठ, काशी।

(VI) **महंत स्वामी श्री ब्रजेशानन्द जी महाराज,** बंगाल, उडीसा।

(VII) **डॉ. स्वामी रामानन्द गिरी-** संस्थापक- महेश संन्यास आश्रम एवं गुरुकुल- देवघाटधाम, नेपाल।

(VIII) **स्वामी रमणानन्द गिरी-** अध्यक्ष- महेश संन्यास आश्रम एवं गुरुकुल, देवघाटधाम, नेपाल।

(IX) **डॉ. श्रीरामभद्र दास श्रीवैष्णव,** भू.पू. न्यायविभागाध्यक्ष, श्री स.अ.सं. महाविद्यालय, अरैल, प्रयागराज।

(X) **शास्त्री सत्संगवल्लभदास,** श्री स्वामीनारायण गुरुकुल कंडारी तहसील करजण जिला बड़ौदा, पिन- 391210।

(XI) **शास्त्री अमृतवल्लभदास,** श्री स्वामीनारायण गुरुकुल, कंडारी तहसील करजण जिला बड़ौदा, पिन- 391210 ।

(XII) **शास्त्री अद्भुतवल्लभदास,** श्री स्वामीनारायण गुरुकुल कंडारी तहसील करजण जिला बड़ौदा, पिन- 391210 ।

(XIII) **शास्त्री भजनवल्लभदास,** श्री स्वामीनारायण गुरुकुल कंडारी तहसील करजण जिला बड़ौदा, पिन- 391210।

(XIV) **शास्त्री सरजूवल्लभदास,** श्री स्वामीनारायण गुरुकुल कंडारी तहसील करजण जिला बड़ौदा, , पिन- 391210।

(XV) **शास्त्री रसिकवल्लभदास,** श्री स्वामीनारायण गुरुकुल कंडारी तहसील करजण जिला बड़ौदा, पिन- 391210।

(XVI) **शास्त्री वेदवल्लभदास,** श्री स्वामीनारायण गुरुकुल कंडारी तहसील करजण जिला बड़ौदा, पिन- 391210।

(XVII) **प्रो. राजाराम शुक्ल**, आचार्य वैदिकदर्शन विभाग, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी, **पूर्व कुलपति** सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी, **महर्षि बादरायणव्यास सम्मानित (राष्ट्रपति पुरस्कार)।**

(XVIII) **प्रो. पीयूषकान्त दीक्षित, पूर्व कुलपति,** उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय, उत्तराखण्ड, **लब्ध डालमिया पुरस्कार** । आचार्य न्यायविभाग, श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली।

(XIX) **प्रो. रामपूजन पाण्डेय,** न्यायवैशेषिक विभागाध्यक्ष, संकायाध्यक्ष सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी।

(XX) **प्रो. रामकिशोर त्रिपाठी,** वेदान्तविभाग, पूर्व विभागाध्यक्ष संकायाध्यक्ष, सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय वाराणसी।

(XXI) **प्रो. हेराम त्रिपाठी, कुलपति** सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी, **महर्षि बादरायणव्यास सम्मानित (राष्ट्रपति पुरस्कार)।**

(XXII) **प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी,** व्याकरणविभाग, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, गंगानाथ झा परिसर, प्रयागराज।

(XXIII) **प्रो. सच्चिदानन्द मिश्र,** सदस्य सचिव, भारतीय दार्शनिक अनुसन्धान परिषद्, नई दिल्ली, **महर्षि बादरायणव्यास सम्मानित (राष्ट्रपति पुरस्कार)।**

(XXIV) **प्रो. शिवशंकर मिश्र,** शोधविभागाध्यक्ष, श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली, **महर्षि बादरायणव्यास सम्मानित (राष्ट्रपति पुरस्कार)।**

(XXV) **प्रो. विष्णुपद महापात्र,** पूर्व न्यायविभागाध्यक्ष, श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली, **महर्षि बादरायणव्यास सम्मानित (राष्ट्रपति पुरस्कार)।**

(XXVI) **प्रो. महानन्द झा,** न्यायविभागाध्यक्ष, श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली, **महर्षि बादरायणव्यास सम्मानित (राष्ट्रपति पुरस्कार)।**

(XXVII) **प्रो० रामनारायण द्विवेदी,** संस्कृत विद्याधर्मविज्ञानसंकाय, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी, **महर्षि बादरायणव्यास सम्मानित (राष्ट्रपति पुरस्कार)।**

(XXVIII) **प्रो. करुणानन्द मुखोपाध्याय,** संस्कृत विभाग, काशी हिन्दू विश्विद्यालय, वाराणसी।

(XXIX) **प्रो. शैलैश कुमार तिवारी,** व्याकरण विभाग, उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय, उत्तराखण्ड।

(XXX) **प्रो. रामसुदर्शन मिश्र,** न्यायविभागाध्यक्ष, श्रीरंगलक्ष्मी श्रीआदर्श संस्कृत महाविद्यालय, वृन्दावन, मथुरा।

(XXXI) **डॉ. रामचन्द्र शर्मा,** न्यायविभाग, श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली।

(XXXII) **डॉ. पद्म प्रसाद (नारायण) भट्टराई,** प्राध्यापक, नेपाल संस्कृत विश्वविद्यालय, दाङ्ग, नेपाल।

(XXXIII) **डॉ. ब्रजकिशोर त्रिपाठी,** प्राचार्य, राजकीय महाविद्यालय, वाराणसी।

(XXXIV) **डॉ. शिवराम गंगोपाध्याय,** वैदिकदर्शन विभाग, काशी हिन्दू विश्विद्यालय, वाराणसी।

(XXXV) **ब्रह्मचारी, स्वामी अनिलानन्द,** प्राचार्य, श्रीआदर्श रंगलक्ष्मी संस्कृत महाविद्यालय, वृंदावन, मथुरा।

(XXXVI) **डॉ. कुञ्जविहारी द्विवेदी,** सहायकाचार्य, न्यायवैशेषिक विभाग, सम्पूर्णानन्दसंस्कृवत विश्वविद्यालय, वाराणसी।

(XXXVII) **डॉ. विश्वनाथ धिताल,** सहायकाचार्य, आई.आई.टी. काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, **महर्षि बादरायणव्यास सम्मानित (राष्ट्रपति पुरस्कार)।**

(XXXVIII) **डॉ. दुर्गेश पाठक**, सहायकाचार्य, न्यायवैशेषिक विभाग, सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी।

(XXXIX) **डॉ. राजीवलोचन शर्मा,** सहायकाचार्य, संस्कृतविभाग, कुमार भास्कर वर्मा संस्कृत एवं पुरातन अध्ययन विश्वविद्यालय, असम।

(XL) **डॉ. शम्भूशरण तिवारी,** सहायकाचार्य, दर्शनविभाग, कामेश्वर सिंह दरभंगा संस्कृत विश्वविद्यालय, बिहार।

(XLI) **डॉ. ज्ञानेश कुमार त्रिपाठी,** सहायकाचार्य, तुलनात्मक एवं धर्म दर्शनविभाग, श्रीमाता वैष्णव देवी गुरुकुल, कटरा, जम्मू कश्मीर।

(XLII) **डॉ. योगेश कुमार त्रिपाठी,** सहायकाचार्य, श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली।

(XLIII) **डॉ. महेश झा,** सहायकाचार्य, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, सदाशिव परिसर, पुरी।

(XLIV) **डॉ. जगदानन्द झा,** प्रशासनिक अधिकारी, उत्तरप्रदेश संस्कृत संस्थान, लखनऊ।

(XLV) **डॉ. पीताम्बर मिश्र,** सहायकाचार्य, न्यायविभाग , केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, सदाशिव परिसर, पुरी।

(XLVI) **डॉ. कृपाशंकर मिश्र,** न्यायविभागाध्यक्ष श्री स.आ.सं. महाविद्यालय, अरैल, प्रयागराज।

(XLVII) **डॉ. गोविंद शर्मा,** सहाचार्य, संस्कृतविभाग , असम विश्वविद्यालय, सिलचर।

(XLVIII) **डॉ. बैकुण्ठ घिमिरे,** उप-प्राध्यापक, नेपाल संस्कृत विश्वविद्यालय, दाङ्ग, नेपाल।

(XLIX) **डॉ. रामप्रसाद पौडेल,** उप-प्राध्यापक, नेपाल संस्कृत विश्वविद्यालय, दाङ्ग, नेपाल।

(L) **डॉ बलराम कण्डेल,** प्राचार्य, परमानन्द संस्कृत गुरुकुल, देवघाटधाम, नेपाल।

(LI) **डॉ. नवराज पौडैल,** प्राचार्य, परमानन्द संस्कृत विद्यापीठम्, देवघाटधाम, नेपाल।

(LII) **डॉ. विनय राम त्रिपाठी,** सहायक अध्यापक, दर्शन, श्री रणवीर संस्कृत विद्यालय, वाराणसी।

(LIII) **श्री जनार्दन सुवेदी,** अतिथि अध्यापक, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, देवप्रयाग परिसर, उत्तराखण्ड।

(LIV) **डॉ. नीरज शर्मा,** गवर्नमेन्ट संस्कृत कॉलेज, देवेन्द्र नगर, पन्ना, म.प्र.।

(LV) **डॉ. मनोज कुमार मिश्र,** दर्शनपाठशाला, अहमदाबाद, गुजरात।

- **प्रकाशनाधीन ग्रन्थ**

1.	शब्दशक्तिप्रकाशिका	:	हिन्दी अनुवाद
2.	अनुमिति गादाधारी	:	हिन्दी अनुवाद
3.	पक्षता	:	हिन्दी अनुवाद
4.	शक्तिवाद	:	हिन्दी अनुवाद
5.	सत्प्रतिपक्ष	:	संस्कृत हिन्दी टीका (यंत्रस्थ)
6.	उपाधिप्रकरण	:	संस्कृत हिन्दी टीका
7.	तर्कसंग्रहदीपिका	:	हिन्दी अनुवाद
8.	सामान्य निरुक्ति	:	हिन्दी अनुवाद (यंत्रस्थ)

- **अध्यक्ष/मुख्यातिथि/मुख्यवक्ता के रूप में योगदान**
  - देश के सुप्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों में आयोजित संगोष्ठी/सम्मलेन/कार्यशाला प्रभृति शैक्षणिक कार्यक्रम में अध्यक्ष/मुख्यातिथि/विशिष्टातिथि/मुख्यवक्ता के रूप में शताधिक संख्या में योगदान।

- **सामाजिक योगदान**
  1. प्रतिदिन 06 घंटे निःशुल्क शास्त्राध्यापन।
  2. शास्त्राध्यापन- कार्ष्णिविद्यापीठ, वाराणसी, 02 घंटे प्रतिदिन।
  3. भारतीय संस्कृति तथा सनातन हिन्दू धर्म के संरक्षण एवं संवर्धन हेतु सतत मार्गदर्शन।
  4. काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, महात्मा गाँधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी एवं समस्त संस्कृत विश्वविद्यालयों के प्रोफेसर तथा शोधच्छात्रों को अध्यापन/मार्गदर्शन।

- **विद्वत्सभा/शास्त्रार्थसभा में निर्णायक**
  - शास्त्रार्थ की प्रसिद्ध भूमि है काशी। यहाँ निरन्तर शास्त्रों के चिन्तन एवं मनन के क्रम में शास्त्रार्थ सभाओं का आयोजन किया जाता है। काशी की विद्वत्सभाओं एवं शास्त्रार्थसभाओं के सर्वमान्य निर्णायक का कार्य विगत **50** वर्षों से अनवरत कर रहे हैं।
  - प्रतिवर्ष **संस्कृतभारती द्वारा आयोजित अखिल भारतीय वाक्स्पर्धा** में निर्णायक के दायित्व का निर्वहन।

प्रास्ताविकम्

रूपादित्वनिराशंसः परोपायविचिन्तकः।
चतुष्कलैर्द्विपातैश्च पादैर्भ्रान्तगतिं व्रजेत्।।

अभिनवभारतीकारेण महामाहेश्वरशैवागमान्तःतत्त्ववेत्तृणा अभिनवगुप्तेन व्रतानुगावस्थाप्रतिपित्सया नाट्यशास्त्रीयटीकायां द्वादशाध्याये प्रस्तूयते पद्यमिदम्। रूपरसादिविषयपराङ्मुखो भक्तः परमेश्वरे दत्तचित्तस्सन् ''तदनर्थमेव,एतत् ग्रन्थे पुनरुक्तमपुष्कलार्थं, पुस्तके कथं दृष्टम्'' इत्याद्युद्भ्रान्तगतिमपास्य तत्र च नात्मानं व्यापृत्य सर्वमिदं परमेश्वरप्रदत्तं तद्भासा भासितमिति बुद्ध्या लक्ष्यसाधने तत्परो भवति। तथैव व्यासश्रीपरिवारः सुरसरस्वत्या अम्लानधारामविच्छिन्नतया विश्ववक्षसि प्रवाहयितुं विहितप्रयत्नो वर्त्तते। तैनैव कर्मणा देशमातृकायाः सेवां चिकीर्षुः शास्त्रसभा-कविगोष्ठि-विद्वत्सम्मान-ग्रन्थप्रकाशनप्रभृतिशैक्षणिककर्मतत्परो परिवारोऽयं भारतवर्षे विजयवैजयन्तीं प्रतनोति।

विद्वत्प्रतिभायाः प्रचारणाय प्रतिखण्डस्य आवरणपृष्ठे संस्कृतसारस्वतसेवातत्पराणां चित्रं, ग्रन्थादौ च तेषां संक्षिप्तपरिचयेन सह प्रकाशनभारतीं समुपस्थाप्य गवेषकाणां कृते मार्गं परिष्करोति। भारतवर्षस्य मूर्धन्यभूतानां बरिष्ठविदुषां युवविदुषां च गवेषणप्रसूतिं शब्दमूर्त्या सहृदयानां पुरस्तात् उपस्थापयितुं यत्नशीलऽस्ति व्यासश्रीपरिवारः। तत्रापि श्रुति-स्मृति-काव्य-व्याकरण-दर्शन-धर्मशास्त्र-पुराण-योगादिविषयेषु भारतीयानां या दृष्टिः तामेव आधारीकृत्य अत्र शोधनिबन्धाः प्रकाश्यन्ते। तत्रापि शास्त्रानुशीलनतत्पराणां विदुषां सन्मार्गदर्शनेन प्रकाशनमण्डलस्य परिष्कृत्या यान्त्रिकसहायकानां श्रमेण कौशलन च व्यासश्रीप्रकाशनयात्राऽद्य पुष्कला जाता।

श्रीशारदाम्बिकायाः कृपाकटाक्षेण अद्य व्यासश्रीपत्रिकाया अस्याः

२१तमखण्डस्य प्रकाशनं भवति। यत्र ७५तः अधिकाः निबन्धाः प्रकाशिताः भवन्ति। तत्र यो विचारः विद्वद्गवेषणश्रमागतः स एव देशमातृकायाः मानवृद्धये सहायको भवेदिति न काचित् विप्रतिपत्तिः। सर्वेषां कृते प्रणतिपुरसरं कार्तज्ञं व्याहरति व्यासश्रीपरिवारः। अन्तिमे इदं मङ्गलवाक्यं शिवं प्रतनोतु-

श्रीशारदाम्बिका नित्यं पुष्पातु बुधमण्डलम्।
यथा देवगिरा तेषां विश्वं स्यात्मधुमत् सदा।।

इति

प्रकाशनतिथिः
०१-०६-२०२२

विदुषामाश्रवाः
बुद्धेश्वरषडङ्गी
मुख्यसम्पादकः तथा व्यासश्रीपरिवारस्य सदस्याः

CERTIFICATE REGARDING IMPACT FACTOR

Dear Editor/Publisher,
VYASASHRIH (ISSN: 2320-2025)

We are pleased to announce that your journal was positively evaluated in the SJIF Journal Rank List evaluation process,which resulted in a score given SJIF 2022 = 5.321 (Scientific Journal Impact Factor Value for 2022)

More and more commonly used rating is the criteria of citation which has also a great impact on gaining the Impact Factor rating. Building citation rating is a long-lasting process which required strict strategy which is consistently inculcated. In that case we would like to invite you to refer back to our Characteristics evaluated criteria.

Our methodology is prepared by SJIF Experts and contains strict recommendations and initiatives which can be taken to improve the Journal. The recommendation will help to gain better scores in different kind of evaluations and especially in gaining better citation results. They will also help the Journal in presenting itself at the international scientific market.

Thank you for requesting SJIF Value for your Journal.

To download your certificate,plese login here : http://sjifactor.com/apply.php

Sincerely,

सृष्टिः	स्रष्टा	पृष्ठम्
पद्मभूषणोपाधिभाजां वशिष्ठत्रिपाठिमहोदयानां परिचयः		(iii)
प्रास्ताविकम्		(vi)
सूचीपत्रम्		(viii-x)
१. संस्कृतालंकारशास्त्रेषु काव्यस्वरूपविमर्शः	अर्पिता नाथ	1
२. Mangalacharana of Amarushataka : A Study	Dr. Preeti R. Pujara	12
३. शङ्करकृताऽद्वैतप्रस्थाने अध्यासतत्त्वविश्लेषणम्	मदन-देवशर्मा तथा डॉ स्वपन-मालः	27
४. कविक्षेमधारिसिंहविरचितसुरथचरितमहाकाव्यस्य विषयसारविमर्शः	जगदीशमालः	37
५. श्वेताश्वतरोपनिषदि योगदर्शनसम्मतमीश्वरतत्त्वसमीक्षणम्	डॉ स्वपन मालः	44
६. अद्वैतवेदान्तस्य मायातत्त्व-साख्यदर्शनप्रकृतितत्त्वयोः तुलनात्मकमध्ययनम्	सुरज-रायः	58
७. भारतवसुन्धरासान्त्वनगीतिकाव्ये भारतवसुन्धरायाः सौन्दर्यवर्णनम्	राहुलमण्डलः	71
८. Emotional and Intellectual Development of Children Portrayed in Padma Venkatraman's the Bridge Home	Agalya C. R & Dr. K Rajkumar	80
९. Draupadi - An Image of Ardent Devotion	Dr. M. S. Sheeba	89
१०. आचार्यक्षेमेन्द्रकृतचतुर्वर्गसङ्ग्रहस्य अनुशीलनम्	डॉ. गोगिकर प्रकाशः	98
११. कुमारसम्भवे चतुर्दशविद्यानां तथा चतुःषष्ठिकलानां प्रतिफलनविमर्शः	डॉ. श्वेतपद्माशतपथी	111
१२. Modern Sanskrit Poet and Poetry in Rajasthan A Selected Approch	Dr. Tania Sikder	118
१३. Impact of Rta on this World	Dr. Mamani Saha	129
१४. Socio-cultural aspects in Mahabhasya	Dr. Anitha Kallyadan	137
१५. The concept of mind in the Upanisads	Sanchita Kundu	147

सृष्टिः	स्रष्टा	पृष्ठम्
१६. याज्ञवल्क्यमतानुसारं प्रमाणम्	डा. अनिलकुमारदाशः	159
१७. वैदिक वाङ्मय में जल संरक्षण की संकल्पना (आपः सूक्त के संदर्भ में)	डॉ. अशोक कॅवर शेखावत	167
१८. काव्यगुणविमर्शः	डॉ. देवाशिषत्रिपाठी	175
१९. भारतीय समाज और संस्कृति में पुरुषार्थ चिंतन	डॉ. ममता सिंघल	181
२०. श्रीसायणाचार्यकृतछान्दोग्योपनिषद्भाष्यसमीक्षणम्	ब्रह्मचारी शुभदीपः	186
२१. शब्दानुशासने केचन आर्षप्रयोगाः	डा. पूनम सिं	201
२२. शब्दप्रतिपत्तिजनकं व्याकरणम्	प्रकाश कुमार त्रिपाठी	214
२३. प्रत्यक्षप्रमा प्रत्यक्षप्रमाणानां मीमांसा	डॉ० अनिलानन्दः	218
२४. राजा नल विरचित पाकदर्पणम् में वर्णित आहारशुचिता	डॉ. समय सिंह मीना	224
२५. वेदों में परिस्थितिकी प्रबंधन	मोनिका सिंघानिया	230
२६. परमहंसपरिव्राजकाचार्यबादरायणकृतब्रह्मसूत्रस्थितमुग्धस्वरूपमविचारविमर्शः	सान्तुकुमारपानः	243
२७. अष्टाध्यायीरचनावैशिष्ट्यम्	सुलग्ना लेंका	252
२८. व्याकरणसिद्धान्तसुधानिधिदिशा प्राक्कडारात्समास इति सूत्रे प्राग्ग्रहणप्रयोजनविचारः	पङ्कजराउलः	258
२९. युवशक्तिप्रोन्साहने गीतामृतम्	डा. धनञ्जयवासुदेव द्विवेदी	265
३०. वेदाङ्गनिरुक्तस्य वैशिष्ट्यम्	डॉ. दुर्गाशरणरथः	273
३१. अदैतवेदान्तदर्शने सृष्टिप्रक्रियायाः महत्वम्	श्यामसुन्दरसाधुखाँ	285
३२. स्वामी विवेकानन्दः किम् अद्वैती ?	नेपाल दासः	290
३३. हेत्वाभासस्वरूपविचारः	डॉ. अजयकुमारकरः	298
३४. Some Ontological Concept of Kashmir Saivism : A revisit to Abhinava Gupta's	Dr. Partha Sarathi Sil	305

सृष्टिः	स्रष्टा	पृष्ठम्
३५. अभ्युदयसिद्धौ संस्कारोपयोगः	डॉ. सुरजित ब्यानार्जी	314
३६. The Relationship Between Vedic Sanskrit & A Vestan (Old Persian) Language	Dr. Bidisha Misra	322
३७. किं इदमेव ज्योतिषम्	रजत गौतम छेत्री	332
३८. कैवल्य और मोक्ष का तुलनात्मक अध्ययन	डॉ. रोहित तलवलकर	339
३९. नैषधीयचरितमहाकाव्ये दार्शनिकतत्त्वानां सोदाहरणं समन्वयः	देवसुजनमुखार्जी	344
४०. पाणिनीयप्रस्थाने काशिकाया गुरुत्वम्	डॉ. श्रीमन्तचटर्जी	356
४१. संस्कृतवाङ्मये नारीणां स्वरूपविमर्शः	सन्दीप चटर्जी	363
४२. भगवद्गीतास्वामिनारायणभाष्यवैशिष्ट्यम्	हरप्रिया बेहेरा	372
४३. वेदान्तदृष्ट्या कर्म	डॉ. नन्दिघोषमहापात्रः	385
४४. वैदिकवाङ्मये पर्यावरणस्य संरक्षणम्	डॉ. निवेदिता पति	391
४५. Euthanasia : An Ethical and legislative Dimensions	Ketan Tewari & Manish Bhardwaj	396
४६. उत्तररामचरिते प्रकृतिचेतना	दिव्यज्योति हाजरा	408
४७. Biodiversity : A Legislative Dimension For Its Protection	Manu Kumar Sing & Ashutosh Kumar	411
४८. Relevance of Dharmasastra and Arthasastra.....	Arpita Dey	424
४९. रथेशशतकस्य समीक्षात्मकमध्ययनम्	सुनेली देई	431
५०. वैशेषिकनये गुणलक्षणसम्बन्धिमतविमृष्टिः	सुजन-दासः	439
५१. लक्षणग्रन्थेषु दृश्यकाव्यस्वरूप भेदाश्च	डा. प्रदीपकुमारबाग	449
५२. श्रीमद्भागवतमहापुराण में वर्णित भारतीय संस्कृति के मूलभूत तत्त्व	– डा. आशा सिंह रावत	458
५३. अश्वघोष का विविधशास्त्रीय ज्ञान	– डा. बाबूलाल मीना	463

सृष्टिः	स्रष्टा	पृष्ठम्
५४. माध्यमिकसम्मतशून्यवादविमर्शः	– जयदेव डिन्डा	469
५५. वुद्धेश्वरषडङ्गीविरचिते शान्तिदूतखण्डकाव्ये रसचर्चा	– डा. ज्ञानरंजनपण्डा	479
५६. श्रीहर्षस्य वैयाकरणत्वविमर्शः	– अध्यापिका कादम्विनी पाढ़ी	488
५७. Sri Ramakrishna And His Ways : A Critique of Survival In The Postmodern Society	- Monalisa Mustafi	491
५८. आनन्दवर्धनमतानुसारेण ध्वनिविवेचनं ततो ध्वनिविरुद्धाः सम्प्रदायाश्च	– मन्तेश्वर वर्मनः	495
५९. संस्कृतसाहित्ये शैवतत्त्वम्	– डा. नवीनकुमारप्रधानः	503
६०. भ्रमवादस्य दार्शनिकपर्यालोचनम्	– डा. निताइ पालः	508
६१. Sexuality In The God of Small Things : A Foucauldian Reading	Dr. Partha Sarathi Guha	515
६२. विशिष्टाद्वैतवेदान्ते मनः	– डा. प्रदीपकुमारसाहुः	520
६३. महाभारत के मीष्म पर्व में प्रकृति सौन्दर्य	– डा. प्रकृति पण्ड्या	528
६४. सृष्टितत्त्वानुचिन्तने दार्शनिकतत्त्वम्	– श्रीमती पूर्णमासी देवी	536
६५. अञ्जनं व्यञ्जनमेव व्यापारः	– डा. राधावल्लभशर्मा	541
६६. The Contexts of Veda, Purana, Ramayana and Mahabharata in Bengali Kirtan - A Discussion	Ratneswar Acharya	559
६७. योगयोगाङ्गसम्बन्धिन्यः काश्चिदनुत्थापितपूर्वा विप्रतिपत्तयस्तत्समाधानं च	– डा. सेख–साविर–आलिः	563
६८. The Oppression Faced By Female Characters In Ann Petry's Novel "The Street"	Dr. Shweta Mour, Ashok Singh Rao	568
६९. ''स्वाधीनोत्तर संस्कृतमहाकाव्येषु विश्वायनम्'' – एका समीक्षा	– विश्वनाथ–माहातः	573
७०. न्यायदर्शनस्य विविधनामधेयत्वे कारणम्	– डा. उत्तम–विश्वासः	578
७१. श्रीभाष्यरीत्या ईश्वरस्यानुमानम्	– डा. प्रभातकुमारसाहुः	583

सृष्टिः	स्रष्टा	पृष्ठम्
७२. श्रीअरोविन्दस्य भवानी भारती एकम् अध्ययनम्	– डा. भारतभूषणरथः	591
७३. श्रीमद्भगवद्गीता में निरूपित भक्तियोग	– डा. रचना रस्तोगी	597
७४. संस्कृतकाव्येषु शैवधर्मपरम्परा	डॉ० कृपाशङ्करशर्मा	606
७५. कालिदासस्य युगे तथा तस्य काव्ये आर्थिक सामाजिक पटभूमिः	– मल्लिका सरकार	615
७६. संस्कृतव्याकरणेषु समासे पूर्वनिपातसमान्यविधिः	– डा. प्रसेनजित् नियोगी	619
७७. हिन्दूत्तराधिकारविधिः	– डा. वसन्तरायमहापात्रः	627
७८. कालिदासभवभूत्योः दृश्यकाव्येषु प्रतिफलिता प्रेमभावना	– डा. पार्थसारथीमुखोपाध्याय	633
७९. रोगोत्पत्तिकारणानंमेकं ज्यातिःशास्त्रीयानुशीलम्	– डा. विश्वरञ्जनपतिः	648
८०. ब्रह्मनिलये-इति काव्यस्य समीक्षणम्	– डा. बुद्धेश्वरषडङ्गी	662
८१. नेत्रप्रान्ते निस्पन्दसमयः – ग्रन्थसमीक्षा	– डा. शुभ्रजितसेनः	668
Writers' World		672
Vyasashri Registration Form		